

परिशिष्ट सारणी V.15: प्राथमिक सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के मुख्य वित्तीय संकेतक

(राशि ₹ लाख में)

राज्य	2019-20				2020-21 <sup>P</sup>				ऋण की तुलना में एनपीए का अनुपात (प्रतिशत में)		वसूली अनुपात (जून के अंत में) (%)	
	लाभ		हानि		लाभ		हानि		2020	2021	2019	2020
	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि				
1	6	7	8	9	6	7	8	9	10	11	12	13
<b>उत्तरी क्षेत्र</b>	<b>42</b>	<b>2,815</b>	<b>103</b>	<b>27,331</b>	<b>26</b>	<b>1,122</b>	<b>119</b>	<b>41,560</b>	<b>68</b>	<b>72</b>	<b>25</b>	<b>19</b>
हरियाणा	4	264	15	9,411	0	0	19	18,598	82	84	22	10
हिमाचल प्रदेश	0	0	1	442	1	16	0	0	51	31	49	53
पंजाब	18	1,131	71	12,750	7	406	82	16,758	73	80	25	20
राजस्थान	20	1,419	16	4,728	18	699	18	6,205	45	45	30	29
<b>मध्य क्षेत्र</b>	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>पूर्वी क्षेत्र</b>	<b>8</b>	<b>527</b>	<b>16</b>	<b>2,089</b>	<b>10</b>	<b>1,226</b>	<b>14</b>	<b>4,278</b>	<b>34</b>	<b>35</b>	<b>36</b>	<b>39</b>
ओडिशा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पश्चिम बंगाल	8	527	16	2,089	10	1,226	14	4,278	34	35	36	39
<b>पश्चिमी क्षेत्र</b>	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>दक्षिणी क्षेत्र</b>	<b>177</b>	<b>4,471</b>	<b>256</b>	<b>36,239</b>	<b>275</b>	<b>16,903</b>	<b>159</b>	<b>20,694</b>	<b>32</b>	<b>34</b>	<b>73</b>	<b>64</b>
कर्नाटक	41	1,709	137	10,444	127	9,703	51	1,715	25	21	72	70
केरल	18	554	57	25,030	23	4,759	53	18,359	36	40	64	56
तमिलनाडु	118	2,208	62	765	125	2,441	55	620	10	9	93	81
<b>अखिल भारतीय</b>	<b>227</b>	<b>7,813</b>	<b>375</b>	<b>65,659</b>	<b>311</b>	<b>19,251</b>	<b>292</b>	<b>66,532</b>	<b>43</b>	<b>44</b>	<b>47</b>	<b>42</b>

टिप्पणियां: 1. पूर्णांकन के कारण कुल योग घटकों के जोड़ से भिन्न हो सकता है।

2. छत्तीसगढ़ में 2014-15 के दौरान अल्पकालिक सहकारी ऋण संरचना का दीर्घकालिक सहकारी ऋण संरचना के साथ विलय कर दिया गया। साथ ही महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और ओडिशा की संरचनाएं अब क्रियाशील नहीं हैं।

3. वित्तीय वर्ष के लिए वसूली के आंकड़े 30 जून की स्थिति में हैं।

4. 2020-21 के लिए डेटा अनंतिम है।

स्रोत: नाबार्ड।